>

Title: Alleged corruption in the implementation of Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Programme in Santhal Pargana in Jharkhand.

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। झारखंड के बारे में मैं चर्चा करना चाहता हूं, नरेगा में जो व्याप्त भ्रष्टाचार है। झारखंड जब बना, दो चीजे हैं - झारखंड में आपको एक तरफ अमीरी दिखाई देगी। वहां खान, खनिज एवं कोयला है। दूसरी तरफ भय, भूख और भ्रष्टाचार है। ये दोनों का समागम जो है, वह झारखंड नजर आएगा। यही कारण है कि पूर्व मुख्य मंत्री से लेकर पूर्व मंत्री तक वहां जेल के सलाखों के नीचे हैं।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि भारत सरकार की गलती यह है कि ये योजना बनाती है, लेकिन राज्यों से कंसल्ट नहीं करती है। नरेगा में जो व्याप्त भ्रष्टाचार है, नरेगा इन्होंने बना दिया, सब को गारंटी दे दी, बहुत अच्छा किया। मार्क्स की थ्यौरी बहुत अच्छी है कि सारे मजदूर एक हो जाएंगे, सभी को रोजगार मिल जाएगा। लेकिन वहां की सिचुएशन यह है कि जो संथाल-परगना है, जहां से मैं सांसद हूं - खास कर गोड्डा, दुमका और देवघर। मैं तीन बार मंत्री, श्री जयराम रमेश जी से मिल चुका हूं। मैंने उनको सारे प्रूफ दिए हैं कि मरे हुए आदमी के नाम से कार्ड, जो आदमी नौकरी कर रहा है, उसके नाम से नरेगा का कार्ड, जिस आदमी ने काम नहीं किया है, उसके नाम से पैसा वापस आ जाता है। बैंक के माध्यम से जो पैसा जा रहा है, बैंक के ब्रांच मैनेजर के नाम से नरेगा का कार्ड है। पोस्ट मास्टर के नाम से नरेगा का कार्ड है। यह एक पंचायत का सवाल नहीं है, कम से कम पच्चास पंचायतों में है। उनका एफआईआर हुआ है, मैं मंत्री जी से लगातार तीन बार मिल चुका हूं। इसके बारे में अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। सेंट्रल टीम नहीं गई है, सीएजी एवं सीबीआई नहीं गई है।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि चाहे भ्रष्टाचार और हत्या हो, वह बराबर है, क्योंकि गरीब वहां रोज मर रहा है। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से यह आग्रह करना चाहूंगा कि नरेगा के लिए, इन तीन जिलों के लिए खास कर और संथाल-परगना के लिए कुछ न कुछ करिए। सीएजी, सीबीआई बनाइए। लोगों को जेल भेजिए और उनके ऊपर 302 का मुकदमा जारी करके उनको जेल भेजिए।